International Journal for Innovative Engineering and Management Research
PEER REVIEWED OPEN ACCESS INTERNATIONAL JOURNAL
www.ijiemr.org

COPY RIGHT

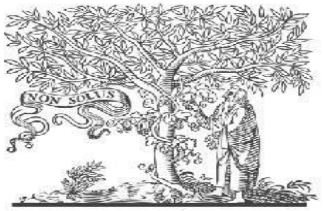

ELSEVIER SSRN

2021 IJIEMR. Personal use of this material is permitted. Permission from IJIEMR must be obtained for all other uses, in any current or future media, including reprinting/republishing this material for advertising or promotional purposes, creating new collective works, for resale or redistribution to servers or lists, or reuse of any copyrighted component of this work in other works. No Reprint should be done to this paper, all copy right is authenticated to Paper Authors

IJIEMR Transactions, online available on 26th Nov 2021. Link :http://www.ijiemr.org/downloads.php?vol=Volume-10&issue=Issue 11

10.48047/IJIEMR/V10/ISSUE 11/55

Title *कॉलेज पुस् तकालयो मेंशकि् षा के बीच सूचना प् रौद् योगिकी के योगदान का अध् ययन*

Volume 10, ISSUE 11, Pages: 341-353

Paper Authors **LATA MISHRA, DR. ANUPAM SAIGAL**

USE THIS BARCODE TO ACCESS YOUR ONLINE PAPER

To Secure Your Paper As Per UGC Guidelines We Are Providing A Electronic Bar Code

International Journal for Innovative Engineering and Management Research
PEER REVIEWED OPEN ACCESS INTERNATIONAL JOURNAL
www.ijiemr.org

कॉलेज पुस्तकालयों में शिक्षा के बीच सूचना प्रौद्योगिकी के योगदान का अध्ययन

LATA MISHRA
RESEARCH SCHOLAR, SUNRISE UNIVERSITY, ALWAR, RAJASTHAN
DR. ANUPAM SAIGAL
ASSOCIATE PROFESSOR, SUNRISE UNIVERSITY, ALWAR, RAJASTHAN

सारांश
पुस्तकालय सूचना का मुख्य स्रोत है और आज की दुनिया सूचनाओं पर ही चल रही है, इसलिए इसकी देखभाल करने और उन्हें वर्तमान ज्ञान से अपडेट रखने की आवश्यकता है। 21 वीं सदी को मशीन युग के रूप में जाना जाता है, कंप्यूटर के समर्थन से सब कुछ तेज हो सकता है। इस तेज़ दुनिया में जीतने के लिए हमें मशीन का उपयोग पारंपरिक पुस्तकालयों की तुलना में अधिक कुशलता से जानकारी देने के लिए भी करना चाहिए। इस समीक्षा में, पारंपरिक पुस्तकालयों के कंप्यूटिंग और डिजिटलीकरण के साथ-साथ अवधारणाओं, कॉलेज पुस्तकालय प्राथमिकताओं, पुस्तकालय कंप्यूटिंग के महत्व और लाभ, पुस्तकालयों के कम्प्यूटरीकरण और पुस्तकालय को कम्प्यूटरीकृत करने की आवश्यकता के लिए खोजे गए कारण। आधुनिक समाज ज्ञानोन्मुख है और वैश्विक सूचना का प्रमुख स्रोत मशीन होने की उम्मीद है। इस संबंध में, पुस्तकालय कदम उठा रहे हैं और सही समय पर सही व्यक्ति के लिए हमें समर्थन देने के लिए कंप्यूटर हर तरह से उनका समर्थन करते हैं। अब, एक दिन ज्ञान को पूंजी, सामग्री और कार्यस्थल द्वारा चौथा स्रोत माना जाता है। आज देश के धन की गणना उसकी आर्थिक परिस्थितियों से नहीं की जाती है, जिसकी गणना उसके पास मौजूद जानकारी की मात्रा और आईसीटी के उत्पादन के लिए इसका उपयोग कैसे किया जा रहा है, डेटा भंडारण, संचरण और वितरण के तरीकों और विधियों में क्रांतिकारी परिवर्तन हैं। . 21वीं सदी में पुस्तकें न केवल संरक्षण के साधन के रूप में थीं, बल्कि प्रसार के लिए भी थीं। अधिकांश पुस्तकालय कार्यों का अब नई प्रौद्योगिकियों के साथ आधुनिकीकरण किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी में सुधार से सभी देख रहे हैं और लाभान्वित हो रहे हैं। इंटरनेट की शुरुआत और आईसीटी के आगमन के साथ दुनिया के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न सूचना स्रोतों और डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करना संभव हो गया है ताकि पुस्तकालय को आज एक ऐसी आईटी प्रणाली अपनाने की आवश्यकता है जो सुविधाओं को बढ़ाए और अपने पाठकों को संतुष्ट करे। पुस्तकालय शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यशब्द: सूचना प्रौद्योगिकी, कॉलेज पुस्तकालय, पुस्तकालय कार्य, आई.टी. प्रणाली, कॉलेज शिक्षा।

प्रस्तावना

आईटी का वास्तविक लाभ उन सभी लोगों के लिए है जो पुस्तकालय मशीन पर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट सेवाएं ग्राहकों को विशाल भंडारण डेटा प्रदान करती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा प्रदान किए गए उपयोगकर्ता के लिए व्यापक लाभों में बेहतर पहुंच, मिश्रण कार्य और शिक्षा, लचीली सामग्री और वितरण, नवीन संचार

रणनीतियाँ और प्रशिक्षण के बेहतर मानक शामिल हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कई उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय में कम संख्या में पुस्तकों तक पहुंच के लिए तैयार करने की तुलना में सूचना सामग्री तक अधिक प्रभावी पहुंच प्रदान करती है। यह विश्वविद्यालय को विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों और अन्य चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पेशकश करने की ओर ले जाता है। (मान, 2012) आज के पुस्तकालयों के लिए तकनीकी सहायता और ऑनलाइन कैटलॉग प्रदान करने वाली एक मेजबान कंप्यूटर-आधारित स्वचालित पुस्तकालय प्रणाली के रूप में सभी आईटी सेवाओं का होना आवश्यक नहीं है। विशेष और शैक्षणिक पुस्तकालयों के लिए यह निश्चित रूप से सच है, और सार्वजनिक पुस्तकालयों में दिलचस्पी बढ़ रही है। पुस्तकालय ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़लेटर्स, माइक्रो कंप्यूटर और ऑनलाइन संसाधनों जैसे मुफ्त नेटवर्क सिस्टम के उपयोग में अधिक आसानी से चला गया है। कंप्यूटर से अकादमिक परिचय द्वारा अधिक छात्रों को उनकी शैक्षणिक क्षमता में पहले सूचना प्रौद्योगिकी में आरंभ करना। कई और संस्थाएँ मल्टीमीडिया प्रकाशनों और सीडी-रोम के माध्यम से अपने घरेलू कंप्यूटर सिस्टम के साथ अनुभव बनाने की कोशिश करती हैं। यह सच है कि एक जनसंख्या समूह सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित है। यह सूचना प्रौद्योगिकी और अवकाश या शैक्षिक सेवाओं से भरा है। इस स्थिति में पुस्तकालय समुदाय द्वारा फ्री नेट के साथ साझेदारी में सामाजिक, शैक्षिक, तकनीकी या राजनीतिक मामलों में इलेक्ट्रॉनिक योगदान के लिए सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक कंप्यूटिंग पहल शामिल होनी चाहिए। अपर्याप्त आर्थिक संभावनाओं, पुरस्कारों की कमी और उचित शिक्षा के कारण समाज में कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे बिगड़ गए हैं।

पुस्तकालय दल विशिष्ट क्षेत्रों में सेवा और खेल के हर पहलू पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बदले में, इन टीमों को अन्य विशेषज्ञों जैसे स्वचालित पुस्तकालय प्रणाली, लैन और इमेजिंग सिस्टम समर्थन और सूचना बुनियादी ढांचे पर अंतिम उपयोगकर्ता प्रशिक्षण और विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी पर एक इंटरनेट डेटाबेस से लाभ होगा। व्यावसायिक सुविधाएं और सरकारी सेवाएं प्रशासनिक सेवा प्रणाली के रूप में पुस्तकालय के पारंपरिक दृष्टिकोण के अधीन नहीं हैं। सामान्य तौर पर, अंतर-सहकारी भागीदारी महत्वपूर्ण होती है, संसाधनों का विस्तार होता है और लोगों को अधिक स्वतंत्रता और कौशल सीखने की आवश्यकता होती है। हालाँकि, यह आधुनिक ग्रंथ सूची सेवाओं के वितरण के प्रबंधन में तेजी से अक्षम हो गया है। ऑनलाइन अध्ययन, डेटाबेस डिजाइन, ग्रंथमिति, और विभिन्न सूचनाओं के उत्पादन और सांख्यिकीय अध्ययनों का उपयोग करने जैसे सूचना प्रौद्योगिकी कौशल पर जोर देने के लिए शैक्षणिक आईटी संस्थान तेजी से स्थानांतरित हो गए हैं। ये संस्थान सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बेहतर योग्य छात्रों का उत्पादन करते हैं। वे संग्रह, बहाली और अनुसंधान पुस्तकालयों को चलाने में विशेषज्ञ विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। अकादमिक पुस्तकालय व्यवस्था आईटी का समर्थन और प्रबंधन पुस्तकालय के आकार पर निर्भर करता है; विश्वविद्यालय के माता-पिता का आकार। पुस्तकालय, इसके कर्मचारी, इसका प्रबंधन और

इसकी संचार और कंप्यूटिंग क्षमताएं शैक्षणिक प्रतिष्ठान के भीतर रहती हैं।

शिक्षा क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी

सूचना प्रौद्योगिकी जीवन के सभी चरणों में बहुत महत्वपूर्ण है। बुनियादी जीवन में, आईटी अब अनुसंधान और विकास, शिक्षा, प्रबंधन, गतिविधि, संचालन और स्वास्थ्य और मनोरंजन की सेवाओं का केंद्र बन गया है। सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली इसलिए आईटी द्वारा प्रायोजित उपभोक्ता समाज की जरूरतों को पूरा करने में समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कोई प्रतिबंधित उपयोगकर्ता समूह या प्रत्यक्ष उपयोगकर्ता समुदाय नहीं है। आईटी आधुनिक समाज के लिए आवश्यक बिल्डिंग ब्लॉक्स में से एक रहा है। कई देश आईटी ज्ञान और आईटी मास्टरिंग को स्कूली शिक्षा, लेखन, संख्या ज्ञान और पढ़ने का एक प्रमुख घटक मानते हैं। (स्वामी, 2012) आईटी उग्रवाद दुनिया भर में पूरी शिक्षा प्रणाली में अनूठी चुनौतियों का सामना करता है। यह तीन विशिष्ट क्षेत्रों में लागू होता है: पहला, सूचना समाज की भागीदारी। दूसरे, शिक्षा प्रक्रिया को संशोधित करने के तरीके तक पहुंच पर आईटी का प्रभाव। उच्च शिक्षा और स्कूलों में आधिकारिक आईटी शिक्षा संगठित शिक्षा उपलब्ध कराती है। अंत में, गैर-औपचारिक शिक्षा प्रौढ़ शिक्षा और दूरस्थ शिक्षा और अन्य संरचित कार्यक्रमों के माध्यम से आगे की शिक्षा के साथ होती है। शिक्षा का क्षेत्र सबसे मजबूत आईटी ग्राहक है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल पुस्तकालय, डेटाबेस और साझेदारी की आवश्यकता शिक्षा संस्थानों के पास वित्तीय और कार्मिक बाधाएं, प्रशासनिक भूमिकाएं, शिक्षा प्रणाली और मोबाइल सीखने के लिए समर्थन है। आईटी शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता से निपटने के लिए, भौतिक बुनियादी ढांचे के और अधिक प्रतिबंध और संकायों की परेशानी की कमी के बावजूद, विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों के लिए, जिन्हें सतत शिक्षा प्राप्त करने की आवश्यकता है, सर्वोत्तम संभव लाभ प्रदान करता है।

समूह में सूचना प्रणाली में एक शैक्षिक संगठन में शिक्षार्थियों, शैक्षिक प्रदाताओं और प्रशासनिक कर्मियों को शामिल किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा कई देशों में शिक्षा के स्तर में मदद की जाती है। आईटी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार कर सकता है और मल्टीमीडिया क्षमताओं जैसे मॉडल और प्रतिकृति के माध्यम से शिक्षा के सभी क्षेत्रों को संबोधित कर सकता है। संचार प्रौद्योगिकियां छात्रों को उन विचारों तक पहुंच प्रदान करती हैं जिन्हें पहले नहीं लिया जा सकता था।

आधुनिक युग के लिए सूचना की आवश्यकता

हम समकालीन समय में रहते हैं जहां ज्ञान एक मूल्यवान संसाधन है। संघीय, वैश्विक, अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों का संचालन और कार्यक्रम करना महत्वपूर्ण है। ज्ञान वितरण और उत्पादन के अत्यधिक महत्व के परिणामस्वरूप कुशल प्रबंधन के लिए संसाधनों और सेवाओं का विकास हुआ है। उनका काम एक संपूर्ण उद्योग में बदल गया है जिसे सूचना उद्योग के रूप में जाना जाता है। सरकार और निजी संगठन सूचना के मूल्य के लिए सूचना संचालन के लिए मजबूत बजट जारी करते हैं। जानकारी के उचित उपयोग का उपयोग तब किया जाता है जब जानकारी एकत्र की जाती है और व्यावसायिक रूप से संसाधित की जाती है। आवश्यकता पड़ने

पर इसे बिना किसी कठिनाई के प्राप्त किया जा सकता है। सामाजिक और शैक्षणिक दोनों निकायों को अपनी समस्याओं को हल करने के लिए ज्ञान की आवश्यकता होती है। सामाजिक अंतःक्रियाओं की विविधता के कारण, ज्ञान के लिए विविध सामाजिक वर्गों की आवश्यकता होती है। सूचना की मांग भी गति और सटीकता है। व्यापार, व्यवसाय और निर्णय लेने के लिए आवश्यक आधार तथ्य हैं। तथ्य। उपभोक्ता मांग, आपूर्ति और पैटर्न पर ज्ञान की बहुत आवश्यकता है। यह केवल चीजें बनाने के लिए नहीं है, बल्कि उन्हें बेचने के लिए भी है। किसी उत्पाद या सेवा को बढ़ावा देने में एक प्रमुख भूमिका निभाई जाती है। ज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक आभासी भूमिका निभाता है। उच्च शिक्षा संस्थानों में इसके लिए विभिन्न प्रकार के ज्ञान की उपलब्धता आवश्यक है। सूचना प्रौद्योगिकी प्रौद्योगिकियों के आगमन के साथ सूचना का उपयोग दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। समाज की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समाज में ज्ञान आधुनिक समाज में एक शक्ति बन गया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने बड़े पैमाने पर पुस्तकालयों और कार्यालयों के कामकाज को बदल दिया है। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग के लिए इलेक्ट्रॉनिक कार्यालय सूचना के निर्माण और प्रसंस्करण को सक्षम बनाता है। सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के कुछ उदाहरण हमारे दैनिक जीवन में आभासी पुस्तकालय, इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक्स हैं।

शिक्षा में उपयोग की जाने वाली तकनीकों के लाभ

इंटरनेट ब्राउज़ करते समय, ई-मेल के माध्यम से संपर्क करें, सामाजिक समूह समर्थन और ब्लॉग उत्साह पैदा कर सकते हैं और नियमित रूप से तकनीकी शिक्षा को बढ़ा सकते हैं। साधक द्वारा एक दृष्टिकोण डिजिटल प्रोजेक्टर को शामिल करने और पाठों में वेबसाइट पर कार्यों को प्रकाशित करने में मदद कर सकता है। कक्षाओं में विभिन्न प्रकार की तकनीकों का उपयोग करने के कई लाभ हैं: अच्छी तरह से सुधार करने के लिए शिक्षक के लिए अवसर प्रदान करता है, आईसीटी उपकरणों और तकनीकों के उपयोग के माध्यम से शिक्षण अधिक सहायक हो सकता है, आईसीटी के माध्यम से शिक्षण के कई तरीकों का उपयोग किया जा सकता है। अपने स्वयं के छात्र संसाधन और सामग्री तक पहुंच सकते हैं, छात्र की प्रगति प्रभावकारिता शिक्षक प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए सीखने और ढांचे की पेशकश के लिए नए दृष्टिकोण, महान सामग्री तक पहुंच सरल है, यह पारंपरिक शिक्षण शैलियों को पूरक और बेहतर बना सकता है, व्यक्तिगत इंटरैक्टिव सामग्री के माध्यम से व्यक्तिगत समर्थन उपलब्ध है शिक्षार्थी, शिक्षार्थी के लिए ब्लॉग ज्ञान का एक पूल बन जाता है, जिससे उनके शिक्षण छात्रों की प्रतिक्रिया में सुधार होता है और उनका दृष्टिकोण आसानी से देखा जा सकता है जो शिक्षकों की मदद करता है।

मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी

मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी को व्यक्तिगत छवियों के ध्वनि और पाठ प्रसंस्करण के लिए कम्प्यूटरीकृत वातावरण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह तकनीक आधुनिक युग में सबसे महत्वपूर्ण आईटी उद्योगों में से एक बन

International Journal for Innovative Engineering and Management Research
PEER REVIEWED OPEN ACCESS INTERNATIONAL JOURNAL
www.ijiemr.org

गई है। इसमें टेक्स्ट, डेटा, फोटोग्राफ, एनीमेशन, ऑडियो और वीडियो जैसे कई मीडिया शामिल हैं। यह विभिन्न सामग्रियों को जोड़ती है। मल्टीमीडिया इसलिए निर्देशों का एक तरीका है जिसमें ग्राफिक्स, टेक्स्ट, ऑडियो और वीडियो सहित कंप्यूटर द्वारा वितरित जानकारी होती है। एक मल्टीमीडिया कंप्यूटर सिस्टम सूचना निर्माण, स्टॉकिंग और प्रसार के लिए कई प्रकार के मीडिया को एकीकृत करने में सक्षम है। मल्टीमीडिया जानकारी के लिए डेटा का आकार बड़ा है, पाठ्य सूचना के विपरीत। मल्टीमीडिया सूचना पुनर्मूल्यांकन ने डिजिटल तकनीक और पीसी पावर जैसी प्रौद्योगिकी के विकास की अनुमति दी। मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी का उपयोग शिक्षा संस्थानों, व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों और अन्य क्षेत्रों में सूचना और गतिविधियों के उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है। डिजिटल तकनीक का मूल्यांकन वर्तमान परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी और उपभोग करने वाले डिजिटल के रूप में नहीं किया जाता है, बल्कि सामग्री के उत्पादन, वितरण और पुनरुत्पादन के लिए भी एक माध्यम है। ई-लर्निंग, एक कंटेंट डिपो होने के अलावा, व्यक्तिगत शिक्षा, सामाजिक संचार, मोबाइल सीखने और शिक्षण के क्षेत्र में एक अधिक शामिल शब्द बन जाता है। अब संस्थागत/व्यक्तिगत उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का संयोजन करें। नतीजतन, बेहतर प्रदर्शन और प्रशिक्षण गुणवत्ता के लिए उच्च पहुंच की संभावना है, क्योंकि आईटी का एकीकरण रेडियो, टीवी को एक अविश्वसनीय रेंज बनाता है। इंटरनेट, रिकॉर्डिंग, टेलीकांफ्रेंस, कंप्यूटर कॉन्फ्रेंस, टूल कंप्यूटर, मोबाइल, सैटेलाइट, सीडी-रोम और डीवीडी। ये सभी प्रभावी ढंग से, जल्दी और मज़बूती से संवाद करने के लिए तैयार हैं।

पुस्तकालय में सूचना प्रौद्योगिकी

व्यापार, स्वास्थ्य, उद्योग, निर्माण, पर्यटन और शिक्षा जैसे विभिन्न उद्योग प्रौद्योगिकी के युग में आईटी की भूमिका और जरूरतों में बढ़ती भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय और ज्ञान अध्ययन उनके साथ इन क्षेत्रों में से एक हैं। पुस्तकालय सूचना उपकरणों और सुविधाओं के विकास में आईटी का बहुत बड़ा प्रभाव है। सूचना प्रौद्योगिकी के बिना पुस्तकालय के लिए अपना लक्ष्य पूरा करना संभव नहीं है। एक पुस्तकालय व्यक्तियों, उपयोगकर्ताओं और पुस्तकों का एक समुदाय है जो एक सामाजिक संगठन के रूप में काम करता है। पुस्तकालयों को संसाधनों और पाठकों की गुणवत्ता के अनुसार सार्वजनिक पुस्तकालयों, विश्वविद्यालय पुस्तकालयों, विशेष किताबों की दुकानों, संचार पुस्तकालयों और राष्ट्रीय पुस्तकालयों में वर्गीकृत किया जाता है। सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव से पुस्तकालय सेवाओं के प्रावधान में काफी बदलाव आया है। शैक्षणिक पुस्तकालयों में प्रौद्योगिकी के विभिन्न रूपों का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालयों में आईटी कार्यान्वयन में डेटाबेस, पुस्तकालय प्रणाली, रिकॉल सेवाओं और ऑन-लाइन खोज, डिजिटल लाइब्रेरी, और दस्तावेज़ों को वितरित करने के नए तरीके का विकास शामिल है।

पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी की आवश्यकताएँ

महत्वपूर्ण संख्या में, पुस्तकालय प्रणाली सूचना प्रौद्योगिकी से प्रभावित हुई है। इलेक्ट्रॉनिक

International Journal for Innovative Engineering and Management Research
PEER REVIEWED OPEN ACCESS INTERNATIONAL JOURNAL
www.ijiemr.org

कार्यस्थल ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग का विकास सूचना के उत्पादन और प्रबंधन के लिए अधिक सुविधा प्रदान करता है। आईटी कार्यान्वयन के उदाहरणों का उपयोग हमारे दैनिक जीवन में वर्चुअल लाइब्रेरी, इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक्स में किया जा सकता है। शिक्षण, सीखने और शोध करने के लिए कॉलेज पुस्तकालयों की स्थापना की जाती है। सूचना प्रौद्योगिकी परिवर्तनों के कारण ये पुस्तकालय कॉलेज के पुस्तकालय कार्यों की हाउसकीपिंग, नए कौशल सीखने की आवश्यकता, उनकी प्रणालियों और प्रक्रियाओं आदि में प्रभावित हुए थे। इंटरनेट ने सीडी-रोम, ब्लूरे डिस्क, वेब सेवाओं और इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस जैसे पुस्तकालयों में प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाकर पूरी तरह से परिवर्तित सूचना पहुंच स्थापित की है। कॉलेज पुस्तकालयों में सूचना स्रोतों और संसाधनों को बदलने के लिए आईटी एक प्रभावी तरीका रहा है। आईटी एप्लिकेशन के कई फायदे हैं। हालाँकि, इसका उपयोग पुस्तकालयों में डेटा को संग्रहीत करने, पुनर्प्राप्त करने, प्रसारित करने और संसाधित करने के लिए किया जा सकता है। आईटी कॉलेज पुस्तकालयों के लिए उपयोगी अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करने और ई-सूचना संसाधनों की व्यापक विविधता तक पहुंच प्रदान करने का एक अवसर है। संग्रह निर्माण, पुस्तकालय नेटवर्क और भवनों के रूप में, आईटी ने विश्वविद्यालय पुस्तकालय संचालन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। आईटी भाग आंतरिक पुस्तकालय कार्यों जैसे संचलन, कैटलॉग, एक सूचना प्रबंधन प्रणाली की शुरूआत और प्रभावी पुस्तकालय नेटवर्क, डिजिटल संग्रह में वृद्धि और पुस्तकालयों के डिजिटलीकरण को स्वचालित करता है। आईटी का सभी पुस्तकालय सूचना सेवाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है क्योंकि यह समय, स्थान, आर्थिक दक्षता प्रदान करता है और पाठकों को अद्यतन जानकारी प्रदान करता है। इंटरनेट सीधे डिजिटल दुनिया में पुस्तकालय सुविधाओं और सेवाओं को प्रभावित करता है और आधुनिक और समकालीन वेब-आधारित ई-सूचना और सेवाएं भी प्रदान करता है।

निष्कर्ष

आज शैक्षणिक पुस्तकालय में सूचना संसाधनों और सेवाओं को अधिक महत्व दिया जा रहा है। लेकिन आधुनिक समाज सूचना विस्फोट के दौर से गुजर रहा है। प्रिंट और गैर-प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री के विभिन्न रूपों में सूचना उपलब्ध है। यह एक वैज्ञानिक कार्य है; विभिन्न प्रकार की पूंजी को नियंत्रित करें। इन मुद्दों को हल करने के लिए आईटी के हिस्से का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह। ज्ञान प्रसंस्करण, भंडारण और प्रसार के सबसे महत्वपूर्ण उपकरणों और तकनीकों में से एक है। पुस्तकालय अब प्रौद्योगिकी पर आधारित पारंपरिक पुस्तकालय सामग्री और सुविधाओं के प्रसारण से स्थानांतरित हो गया है। समग्र व्यय का उच्चतम अनुपात सूचना प्रौद्योगिकी के घटक पर भी खर्च किया जाना चाहिए। हमने कॉलेज ऑफ एजुकेशन लाइब्रेरी में होम कीपिंग जॉब, नॉलेज और सुविधाओं का बेहतर सृजन भी पाया, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी को पुस्तकालय में अपनी तकनीक और घटकों के उपयोग को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने तेजी से और सूचना प्रौद्योगिकी के इन तत्वों के साथ काम किया है। इन पुस्तकालयों के लिए प्रिंट और गैर-

प्रिंटिंग और इलेक्ट्रॉनिक आउटलेट्स में तेजी से वृद्धि संभव है। वे पूरी तरह से स्वचालित हैं और पुस्तकालय नेटवर्क के माध्यम से एक दूसरे के साथ अच्छे पुस्तकालय सॉफ्टवेयर, साझा संसाधनों, संचार और संचार का उपयोग करते हैं। लाइब्रेरी कम्प्यूटरीकरण में दो शब्द आते हैं, लाइब्रेरी ऑटोमेशन और दूसरा लाइब्रेरी डिजिटाइजेशन है, जिसका अर्थ है एक पुस्तकालय जिसमें संग्रह डिजिटल प्रारूपों (प्रिंट, माइक्रोफॉर्म या अन्य मीडिया के विपरीत) में संग्रहीत होते हैं और कंप्यूटर द्वारा सुलभ होते हैं। डिजिटल सामग्री को स्थानीय रूप से संग्रहीत किया जा सकता है, या कंप्यूटर नेटवर्क के माध्यम से दूरस्थ रूप से एक्सेस किया जा सकता है। एक डिजिटल पुस्तकालय एक प्रकार की सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली है। पुस्तकालय कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से आसानी से और तेजी से पुस्तकों, सूचनाओं, अभिलेखागार और विभिन्न प्रकार की छवियों तक पहुँचने के साधन के रूप में पुस्तकालय कम्प्यूटरीकरण हम पुस्तकालय विज्ञान के पहले निम्न का पालन करने के लिए पुस्तकालय में सभी सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। इ। पुस्तकें उपयोग के लिए हैं। दूसरे निम्न का अनुसरण करने के लिए, प्रत्येक पाठक के पास अपनी पुस्तक होती है, हम कंप्यूटर द्वारा तत्काल खोज कर प्रत्येक पाठक को पुस्तक प्रदान कर सकते हैं। तीसरे निम्न का पालन करने के लिए, प्रत्येक पुस्तक का अपना पाठक होता है, हम विषय संबंधी पुस्तकों या वर्तमान सूचना सेवाओं के माध्यम से या ईमेल के माध्यम से प्रत्येक पुस्तक को पाठक प्रदान कर सकते हैं। चौथी निम्न का पालन करने के लिए हम पुस्तक या सूचना या ओपेक, सार सेवाओं, संदर्भ सेवाओं की तत्काल उपलब्धता से पुस्तकालय कर्मचारियों के समय की तत्काल खोज और पाठक के समय की बचत कर सकते हैं। पांचवें निम्न के लिए, पुस्तकालय जीव बढ़ रहा है; हम कंप्यूटर और उसके स्टोरेज डिवाइस के माध्यम से अधिक से अधिक जानकारी को छोटी सी जगह पर स्टोर कर सकते हैं। पारंपरिक पुस्तकालय भंडारण स्थान द्वारा सीमित हैं; डिजिटल पुस्तकालयों में बहुत अधिक जानकारी संग्रहीत करने की क्षमता होती है, केवल इसलिए कि डिजिटल जानकारी को रखने के लिए बहुत कम भौतिक स्थान की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, एक डिजिटल पुस्तकालय को बनाए रखने की लागत पारंपरिक पुस्तकालय की तुलना में बहुत कम है।

संदर्भ ग्रब्थ सूची

- अबुबकर, बप्पा मगाजी (2010)। नाइजीरिया में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी को शामिल करना: 21 वीं सदी में जीवन रक्षा के लिए एक रणनीति, पी: 01-08।
- अडेरिबिग्बे, नूरुद्दीन अदेनियी (2012)। कृषि विश्वविद्यालय, अबोकुटा के स्नातक छात्रों द्वारा पुस्तकालय सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों का उपयोग। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास 2012, पी: 1-10 http://unllib.unl.edu/LPP
- अधे, जी.डी. और मुख्यादल, बी.जी. (2014)। पुस्तकालय स्वचालन: मुद्दे और अनुप्रयोग। नॉलेज लाइब्रेरियन-एन इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड द्विभाषी ई-जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, वॉल्यूम-1(2); पी: 147-161

- अधे, गोविंद (2014)। डिजिटल युग में पुस्तकालय स्वचालन की आवश्यकता। 'मानव संसाधन के विकास के लिए उच्च शिक्षा की प्रासंगिकता' पर अंतःविषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पी: 378-379
- अहमद एफयू (2013)। डिजिटल युग में विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के लिए चुनौतियाँ। पुस्तकालयों में आईसीटी का अनुप्रयोग, पी: 77-79
- अकनवा, सी. पर्ल (2015)। नाइजीरिया में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) पर्यावरण की चुनौतियों के लिए पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम के पुनर्गठन की ओर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (STECH) बहिर डार-इथियोपिया, वॉल्यूम। - 4(1); पी: 94-103
- अलसंदी, भरत बी. (2015). पुस्तकालयों में ज्ञान प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी: मापन, चुनौतियाँ और मुद्दे, वॉल्यूम। - 53(19); पी: 20-25
- अल्हाजी, इब्राहिम उस्मान (2015)। पुस्तकालय संसाधनों का डिजिटलीकरण और डिजिटल पुस्तकालयों का निर्माण: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, वॉल्यूम। - 53(47); पी: 22-27
- अमीन, कंवल (2006)। संग्रह प्रबंधन के लिए अधिग्रहण। एमराल्ड ग्रुप पब्लिशिंग लिमिटेड। संग्रह भवन, वॉल्यूम। - 25(2); पी: 56-60
- एंग्लडा, लुइस (2014)। क्या पुस्तकालय मुक्त, नेटवर्कयुक्त, डिजिटल सूचना की दुनिया में टिकाऊ हैं? ईआई प्रोफेशनल डे ला इंफॉर्मेशन, वॉल्यूम- 23(6); पी: 603-611
- अरोड़ा, जगदीश (2011)। उच्च शिक्षा समुदाय के लिए इनफ्लिबनेट की नई पहल। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, वॉल्यूम। - 49(45); पी: 01-07
- बाला, रजनी (2012)। क्लाउड कंप्यूटिंग कॉलेज लाइब्रेरी को कैसे प्रभावित करेगी। सूचना प्रौद्योगिकी और ज्ञान प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड-5(2); पी: 381-383
- बाली, अनीता (1997). निस्टैड्स पुस्तकालय में संग्रह विकास। सूचना प्रौद्योगिकी का डेसीडॉक बुलेटिन, वॉल्यूम। - 17(2); पी: 38- 42
- भारद्वाज, राज कुमार (2012)। वेब आधारित सूचना स्रोत और सेवाएं: सेंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक केस स्टडी। लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस 2012. http://unllib.unl.edu/LPP
- भाटिया, रंजना (2011)। शिक्षण में वृद्धि: प्रौद्योगिकी के साथ सीखना। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, वॉल्यूम। - 49(31); पी: 13-15
- भट्ट, आर.के. (2011). भारत में विश्वविद्यालय पुस्तकालय: अतीत, वर्तमान और भविष्य। यूनिवर्सिटी न्यूज,

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, वॉल्यूम। - 49(33); पी: 15-21

- बिरजे एस.आर. और खामकर आर.डी. (2009)। कम्प्यूटरीकृत परिसंचरण सेवाएं: एक केस स्टडी। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में अभिनव सर्वोत्तम प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पी: 18-19
- चक्रवर्ती, अभिजीत (2015)। पुस्तकालयों में ट्विटर का उपयोग: एक विहंगम दृश्य। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज वॉल्यूम। - 53(09); पी: 23-25
- चहल, एस.एस. (2011)। डिजिटल पुस्तकालय: मुद्दे और चुनौतियाँ। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, वॉल्यूम। - 49(33); पी: 15-21
- दास, अनूप कुमार (2008)। ज्ञान और सूचना तक खुली पहुंच: विद्वतापूर्ण साहित्य और डिजिटल पुस्तकालय पहल- दक्षिण एशियाई परिदृश्य। संयुक्त राष्ट्र शिक्षा वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को), नई दिल्ली। पी: 7-42
- दयाल, मनोज (2015)। नई शिक्षा नीति में संचार की भूमिका। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, वॉल्यूम। - 53(43); पी: 19- 23
- डेमास, एस। (1994)। इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय के लिए संग्रह विकास: एक वैचारिक और संगठनात्मक मॉडल। लाइब्रेरी हाई टेक, वॉल्यूम। - 12(3); पी: 71-80
- देशमुख, पी.पी. और भालेकर डी.के. (2009)। लाइब्रेरी कंसोर्टिया: मॉडल। पुस्तकालय और सूचना सेवाओं में अभिनव सर्वोत्तम प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन, पी: 7-9
- देवराजन, जी. (1992). शैक्षणिक पुस्तकालयों में संसाधन विकास। नई दिल्लीः शील सेठी। पी: 70-75
- डेविल एंड सिंह (2009)। मणिपुर विश्वविद्यालय में इंटरनेट आधारित ई-संसाधनों का उपयोग: एक सर्वेक्षण। पुस्तकालय और सूचना अध्ययन के इतिहास। वॉल्यूम। - 56; पी: 52-57
- दत्ता, इंद्रजीत और जोशी, धनंजय (2011)। आईसीटी के माध्यम से उच्च शिक्षा में डिजिटल विभाजन को पाटना। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज। वॉल्यूम। - 49(45); पी: 14-25
- एडेम, एमबी (2010)। सूचना युग में विश्वविद्यालय पुस्तकालय संसाधनों के विकास में उपहार। वॉल्यूम। - 29(2); पी: 70-76
- गौर, बबीता (2015)। सूचना साक्षरता और शैक्षणिक पुस्तकालय का प्रभावी उपयोग। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी। वॉल्यूम। - 53(47); पी: 35-39
- गौतम, जेएन (2016)। शिक्षा में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर: लाइब्रेरियन का क्षितिज। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज। वॉल्यूम। - 54(21); पी: 03-06

- गर्ग, सुरेश (2011)। ज्ञान प्रबंधन में आईसीटी की भूमिका। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी। वॉल्यूम। - 49(50); पी: 01- 06
- गीतांजलि (2014)। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के दृष्टिकोण के प्रति सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव। कंप्यूटर अनुप्रयोग और रोबोटिक्स में अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। वॉल्यूम। - 2(6); पी: 47-54
- ग़देरी, चिया और महमूदीफ़र, यूसेफ (2015)। पश्चिम अजरबैजान के सार्वजनिक पुस्तकालयों में ज्ञान प्रबंधन प्राप्त करने पर सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ फंडामेंटल एंड एप्लाइड लाइफ साइंस। **Vol.-S (S**1); पी: 3718-3723
- घण्टे और देशमुख (2014)। भारत में चयनित पुस्तकालय नेटवर्क की सेवाएं और गतिविधियां। 'मानव संसाधन के विकास के लिए उच्च शिक्षा की प्रासंगिकता' पर अंतःविषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। पी: 411
- गोवंडे, एस.एम. (2016)। शिक्षा क्षेत्र में ई-गवर्नेंस का रोल। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज। वॉल्यूम। - 54(47); पी: 22- 25